नाट्य एवं कला कार्यशाला पर प्रतिवेदन 27.02.26

महाविद्यालय मे नाट्य एवं कला विषय के अंतर्गत बी.एड़. विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया | इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों मे सृजनात्मकता, आत्मविश्वास, और अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना था | कार्यक्रम की शुरुवात प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी जी के स्वागत भाषण से हुयी | कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमति तरुणा साहू जी का स्वागत सहा प्रा. पलक बेरछा ने पुष्प गुच्छ से किया | कार्यशाला के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों को रंगोली मेट्स ओर टाइ- डाई आर्टिकल सीखाने का लक्ष्य रखा गया | जिसमे विद्यार्थियों ने रेग्जीन शीट पर विविध डिज़ाइन तैयार की व ग्लू गन की मदद से भिन्न- भिन्न रंगो के फर वुलन को चिपकाया गया | अंत मे शिक्षक - प्रशिक्षणार्थियों ने अत्यंत आकर्षक एवं सुंदर रंगोली मेट्स बनाए | द्वितीय आर्टिकल टाइ-डाइ आर्टिकल एक पारंपरिक रेसिस्ट ड्राइंग तकनीक हैं, जिसमे कपड़े के विभिन्न हिस्सो को धागे से कसकर बांधकर, मोड़कर या चटख रंगो मे रंगा जाता हैं| गाठ वाले हिस्से रंग सोखते नहीं है , जिससे अद्वितीय पेटर्न बनते है | इसमे विषय विशेषज्ञ ने टाइ- डाई की सामाग्री, प्रमुख तकनीके, प्रक्रिया से शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया | शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने अलग अलग पैटर्न पै जैसे- स्पायरल, स्ट्राइप्स, जेड फ़ोल्ड, तैयार किए | इस प्रक्रिया मे शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने रंगो का संयोजन, धेर्य ओर सटीकता का महत्व सीखा ,जिससे कार्यशाला का वातावरण ओर भी मनमोहक हो गया | कार्यशाला मे बी. एड़. के 45 शिक्षक प्रशिक्षणार्थी शामिल रहे |

कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर दिनांक 25.02.2026 को लिप्पन कला एवं सजावटी दिया स्टैंड बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, यह कला मुख्यत: कच्छ की रबारी ओर अन्य समुदायों की महिलाओं द्वारा मिट्टी ओर दर्पण का उपयोग करके घरों की दीवारों को सजाने के लिए किया जाता है | लिप्पन कला के अंतर्गत शिक्षक- प्रशिक्षणार्थियों ने एम डी एफ बोर्ड पर बेस तैयार करते हुए पेंसिल से डिज़ाइन तैयार की | क्ले से डोरी बनाना ओर उसे डिज़ाइन पर चिपकाने की कला सीखी तत्पश्चात क्ले के बीच मे शीशे सेट किए गए | ओर उसे विभिन्न रंगो से रंगना सीखा | लिप्पन कला मे शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने माँ काली के अवतार, सूरजमुखी, भगवान बुद्ध की आकर्षक छवि को उकेरा | साथ ही मोल्ड ईट क्ले की सहायता से सुंदर ओर आकर्षक दिये स्टैंड भी शिक्षक- प्रशिक्षणार्थियों ने तैयार किए | इसमे राधे- राधे, चंद्रमा की आकृति,गणेश प्रतिमा को दिये स्टैंड का रूप दिया गया | श्रीमति तरुणा साहू जी ने कम सामाग्री ओर कम लागत मे नवीन वस्तुओं का निर्माण करने की अनूठी कला से शिक्षक- प्रशिक्षणार्थियों को रूबरू कराया | एवं यह भी बताया कि एक शिक्षक अपनी सौंन्दर्यात्मक कला

के माध्यम से शिक्षण को किस प्रकार नए आयाम पर पहुंचा सकते हैं | समस्त शिक्षक-प्रशिक्षणाथियों ने आनंद ओर उत्साह के साथ कार्यशाला मे प्रतिभागिता दर्शाई | ओर बेहद सुंदर व आकर्षक आर्टिकल बनाकर प्रस्तुत किए | कार्यशाला के द्वित्रीय दिवस पर 29 शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे | प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी जी ने भी प्रशिक्षुओं के कार्यों को सराहा | ओर यह भी बताया की यह कार्यशालाएँ हमे रोजगारोन्मुख ओर कौशलयुक्त शिक्षा प्रदान करती हैं | भविष्य मे भी इसी प्रकार की कार्यशालाएँ आयोजित करने का आश्वासन दिया |

कार्यशाला के तृतीय दिवस पर श्री मति तरुणा साहू जी ने प्रशिक्षुओं को कैनवास पेंटिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया | कैनवास पेंटिंग के अंतर्गत कैनवास पर यल्लो कार्बन पेपर की सहायता से ट्रेसिंग की जाती हैं, एवं ब्लैक मार्कर या गोल्डन रंग से आउटलाइन की जाती हैं, तत्पश्चात एक्रेलीक कलर्स से पैंट किया जाता हैं, कैनवास पेंटिंग मे एक्रेलीक रंगों का प्रयोग किया जाता है, क्यूंकि यह लंबी समयावधि तक चलते है, साथ ही विशेषज्ञ श्री मति तरुणा साहू जी ने यह भी बताया कि पेंटिंग मे टेकचर, रंगों के चयन, करते समय ध्यान रखने वाली बाते भी शिक्षक- प्रशिक्षणार्थियों से साझा की | समस्त शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने पूर्ण तलीनता के साथ कैनवास पेंटिंग बनाई | शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बनाई गई कैनवास पेंटिंग मे राधे-कृष्ण की अद्भुत छवि, मीराबाई, मोर का पंख फैलाव मनमोहक दृश्य, माँ- बेटी के असीम प्रेम, कमल के फूल, को दर्शाती भव्य पेंटिंग आकर्षण का केंद्र रही | वर्कशाला मे कुल 27 शिक्षक प्रशिक्षणाथी शामिल रहे | आभार प्रदर्शन सहा. प्रा. अपर्णा रघुवंशी ने किया | तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक संचालन ईपीसी-4 विषय प्रभारी सहा. प्रा. पलक बेरछा, सहा प्रा. अपर्णा रघुवंशी, सहा. प्रा. हेमलता वर्मा, सहा. प्रा. दीपा कुमारी ने किया | कार्यशाला मे समस्त महाविद्यालयीन परिवार शामिल रहा |

श्री गुजराती समाज बी. एड़. कॉलेज

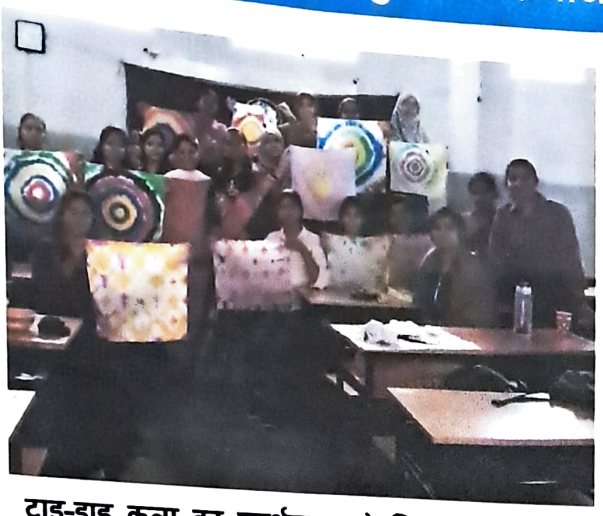

टाइ-डाइ कला का प्रदर्शन करते शिक्षक-प्रशिक्षणार्थी

रैग्जीन शीट पर फर वुलन लगाते हुए छात्राएँ

निर्देश समझते बी. एड़. II सेम प्रशिक्षणार्थी

कार्यशाला में तल्लीनता से कार्य करते प्रशिक्षणार्थी

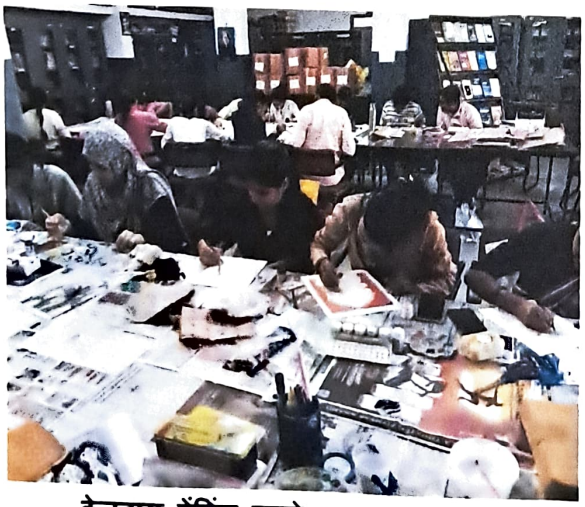

केनवास पेंटिंग करते हुए

पेंटिंग के साथ महाविद्यालयीन परिवार

प्रभारी
स. प्रा. अपर्णा रघुवंशी

प्राचार्य
डॉ. किरण दम्मानी
Dr. (Mrs.) Kiran Damman...
Principal
Shri Gujarati Samaj
B.Ed. College, INDORE